# विषय सूची


| पैरा | उप-पैरा | विवरण | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|---|
| | | प्राक्कथन | *v* |
| | | कार्यकारी सारांश | *vii-xii* |
| **अध्याय 1 : प्रस्तावना** | | | |
| 1.1 | | पृष्ठभूमि | 1 |
| 1.2 | | एफआरबीएम समीक्षा समिति | 3 |
| 1.3 | | समिति की सिफारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई | 4 |
| 1.4 | | भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) द्वारा एफआरबीएम अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन की समीक्षा | 6 |
| 1.5 | | मौजूदा प्रतिवेदन की संरचना | 7 |
| **अध्याय 2 : अधिनियम तथा नियमावली से निष्पादन में विचलन** | | | |
| 2.1 | | एफआरबीएम अधिनियम के अतंर्गत विनिर्दिष्ट वार्षिक कटौती लक्ष्यों का अनुपालन | 8 |
| 2.2 | | एफआरबीएम अधिनियम तथा नियम के बीच देयता लक्ष्यों को विनिर्दिष्ट करने में असंगति | 10 |
| 2.3 | | सुधारात्मक उपायों को लागू करने हेतु मध्य-वर्ष समीक्षा के मानदंडों का निरंतर स्थगन | 11 |
| 2.4 | | लेखापरीक्षा निष्कर्ष | 14 |
| 2.5 | | अनुशंसाएं | 14 |
| **अध्याय 3 : एफआरबीएम लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रगति** | | | |
| 3.1 | | राजस्व घाटा | 15 |
| | 3.1.1 | राजस्व घाटा लक्ष्य | 17 |
| | 3.1.2 | राजस्व व्यय का बजटेत्तर वित्तपोषण | 18 |
| 3.2 | | राजकोषीय घाटा | 22 |
| | 3.2.1 | राजकोषीय घाटा लक्ष्य | 22 |
| | 3.2.2 | राजकोषीय घाटे के एक संघटक के रूप में राजस्व घाटा | 25 |
| 3.3 | | प्रभावी राजस्व घाटा लक्ष्य | 26 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 3.3.1 | प्रभावी राजस्व घाटा लक्ष्य | 26 |
| | 3.3.2 | प्रभावी राजस्व घाटे के अनुमान में असंगति | 28 |
| | 3.3.3 | वस्तुगत शीर्ष 35 से पुनर्विनियोजन - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान | 29 |
| | 3.3.4 | पिछले वर्ष के बजट प्रावधानो में परिवर्तन | 30 |
| | 3.3.5 | पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदानों पर व्यय | 31 |
| 3.4 | | सरकार की देयता | 32 |
| | 3.4.1 | देयता लक्ष्य | 32 |
| | 3.4.2 | देयता का कम बताया जाना | 33 |
| | 3.4.3 | ऋण वहन करने की क्षमता (ऋण धारिता) | 34 |
| 3.5 | | गारंटियां | 36 |
| | 3.5.1 | गारंटियों का लक्ष्य | 37 |
| | 3.5.2 | गारंटियों में अनुवृद्धि की प्रवृत्ति | 37 |
| 3.6 | | प्रतिबद्धता प्रभारों का भुगतान | 37 |
| 3.7 | | पूंजीगत व्यय हेतु बजटेत्तर स्रोतों से धन का प्रबंध | 38 |
| 3.8 | | लेखापरीक्षा निष्कर्ष | 43 |
| 3.9 | | अनुशंसाएं | 44 |
| **अध्याय 4 : प्राप्ति एवं व्यय के संघटकों का विश्लेषण** | | | |
| 4.1 | | प्राप्ति और व्यय की तिमाही समीक्षा का विश्लेषण | 46 |
| 4.2 | | प्राप्ति एवं व्यय और उनके संघटकों का विश्लेषण | 47 |
| | 4.2.1 | प्रमुख राजस्व व्यय की प्रवृत्तियां | 49 |
| 4.3 | | घाटा संकेतकों की गणना को प्रभावित करने वाले लेन-देन | 51 |
| | 4.3.1 | व्यय के गलत वर्गीकरण के कारण राजस्व घाटे को कम बताया जाना | 51 |
| | 4.3.2 | निर्धारित निधियों में उदग्रहण/उपकर का कम अंतरण/अंतरण न होना | 51 |
| 4.4 | | अधिप्राप्ति/अनुरक्षण पर व्यय को पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु प्राप्त अनुदानों पर व्यय के रूप में माना जाना | 53 |
| 4.5 | | लेखापरीक्षा निष्कर्ष | 56 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4.6 | | अनुशंसाएं | 57 |
| **अध्याय 5 : राजकोषीय नीति विवरण में अनुमानों का विश्लेषण** | | | |
| 5.1 | | मध्यम अवधि राजकोषीय नीति विवरण में अनुमान | 58 |
| | 5.1.1 | सकल कर राजस्व अनुमान | 58 |
| | 5.1.2 | कुल बकाया देयता अनुमान | 59 |
| | 5.1.3 | विनिवेश अनुमान | 60 |
| 5.2 | | मध्यम अवधि व्यय रूपरेखा विवरणी में अनुमान | 61 |
| **अध्याय 6: राजकोषीय संचालनों में पारदर्शिता एवं प्रकटन** | | | |
| 6.1 | | सरकारी लेखाओं में पारदर्शिता | 64 |
| | 6.1.1 | घाटा आंकड़ों में विविधता | 64 |
| | 6.1.2 | पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदानों के व्यय में विविधता | 65 |
| | 6.1.3 | देयता की राशि में भिन्नता | 66 |
| 6.2 | | प्रत्यक्ष कर प्राप्ति आंकड़ों में पारदर्शिता की कमी | 67 |
| 6.3 | | एफआरबीएम अधिनियम के अन्तर्गत अनिवार्य प्रकटन विवरण में पारदर्शिता | 68 |
| | 6.3.1 | गैर-कर राजस्व के बकाया के प्रकटन में असंगतता | 68 |
| | 6.3.2 | कोयला उदग्रहण की बकाया की गलत सूचना | 69 |
| | 6.3.3 | सरकार द्वारा दी गई गारंटी में भिन्नता | 70 |
| | 6.3.4 | परिसम्पत्ति रजिस्टर में विवरणों के प्रकटन में अंतर | 71 |
| | 6.3.5 | एफआरबीएम अधिनियम के तहत अपेक्षित प्रकटन विवरणियों को प्रस्तुत नहीं करना | 72 |
| 6.4 | | लेखापरीक्षा निष्कर्ष | 73 |
| 6.5 | | अनुशंसा | 74 |
| | | **अनुबंध** | 75-85 |
| | | **शब्दावली** | 87-88 |